अमरसार, विश्वगभ आदि में आया है कि अंजन, मोथा, खस, राजकोशातक, आंवला तथा कतक के फल का चूर्ण डालने से गंदला, कडुआ, खारा, बेस्वाद या दुर्गंध वाला जल मधुर, निर्मल, सुगंध और अनेक गुणों वाला हो जाता है। कतक के फल का प्रयोग तो हाल के वर्षों में होता रहा है।

कूप खनन का मुहूर्त

कुआं खुदवाने के लिए मुहूर्त का विधान मुनि गर्ग, वराहमिहिर, नारद, वसिष्ठ, काश्यप, श्रीपति आदि ने किया है। प्राय: हस्त नक्षत्र, मघा, अनुराधा, पुष्य, तीनों उत्तरा, रोहिणी और शततारका इन नौ नक्षत्र वाले दिनों को देखा जाता था। इन नक्षत्रों में जलस्रोत का खनन करना शुभ माना गया है। मध्यकाल में यह मान्यता बढ़ी और व्यवहारतत्वादि में यह माना गया कि अनुराधा, हस्त, ध्रुवसंज्ञक (तीनों उत्तरा व रोहिणी), धनिष्ठा, शततारका, मघा, पूर्वाषाढ़ा, रेवती, पुष्य और मृगशिरा इन तेरह नक्षत्रों में पापग्रह (सूर्य, मंगल व शनि) के निर्बल रहने पर, लग्न में गुरु या बुध अथवा दोनों हो, लग्न से दसवें स्थान में शुक्र एवं जलचर राशि (4, 10, 11 व 12) के चन्द्रमा हों तो कूपादि का खनना, बनना शुभ होता है।

कूपादि का कार्य आरंभ करने से पूर्व कूपचक्र को देखा जाता था। चार प्रकार के कूपचक्र माने गए हैं और जिस दिन चारों ही प्रकार के कूपचक्र मिल जाते हैं, उस समय निर्जल भूमि पर भी जल मिल जाता था। ये कूपचक्र हैं- रोहिणीचक्र, सूर्यनक्षत्रानुसार, भौमभात चक्र और राहुभात कूपचक्र।

इसके लिए जो निश्चित विधान था, उसके अनुसार सर्वप्रथम वरुणदेव की पूजा की जाती थी। वरुण को जल का देवता माना गया है। उसको बलि निवेदित की जाती। मत्स्यपुराण में भी इसका निर्देश है। गंध, पुष्प, धूप आदि से बरगद या वेतस की लकड़ी की बनाई गई कील (वट वेतस कीलकम) की पूजा होती और फिर जहां पर जलशिरा का अनुमान लगाया गया हो, वहां उसको रोपा जाता था। कूप खनन के लिए यही विधि वर्तमान तक ठेठ देहात में भी रही है।

'स्वर सरिता' आपको नियमित भेजी जाती रही है, अब इसे निरन्तर संचालित करते रहने के लिए कृपया स्वयं प्रेरणा से सदस्यता शुल्क भिजवा कर सहयोग करें।

एक वर्ष का सदस्यता शुल्क : ₹600 छह वर्ष का सदस्यता शुल्क : ₹3000

- **चैक/डी.डी. -'वीणा प्रकाशन', जयपुर (VEENA PRAKASHAN, JAIPUR) के नाम निम्न पते पर भेजें या**
- **बैंक ऑफ बड़ौदा, जौहरी बाजार, जयपुर के अकाउंट नं. 01150200000933 में वीणा प्रकाशन के खाते में जमा करवाएं।**
- **बैंक की रसीद के साथ अपना पूरा पोस्टल एड्रेस, पिनकोड एवं फोन नम्बर हमें मेल करें।**

वीणा प्रकाशन

हल्दिया हाउस, जौहरी बाजार, जयपुर-302003 फोन - 0141-2572666, 4022623

Email-veenaprakashan@gmail.com website: veenaswarsarita.com